भिवानी परिवार मैत्री संघ(पंजी.)

"भिवानी गौरव सम्मान" – 2015

श्री राममेहर सिंह
श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान
(खेल)

खेल की दुनिया में हिंदुस्तान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान दिलाने में जिला भिवानी का नाम विशेष योगदान रहा है । भिवानी जिला आज मिनी क्यूबा के नाम से विख्यात है । खेलों की इस बगिया को बहुत से बागबाओं ने अपनी कड़ी मेहनत और अथक प्रयत्नों से सिंचित किया है । कबड्डी की नर्सरी को संवारा है श्री राममेहर सिंह जी ने । आपका जन्म 20 मई ,1973 को पिता श्री छाजुराम एवं माता श्रीमती कमला देवी के घर हुआ । भिवानी के राजकीय कालेज से स्नातक होने के पश्चात सन 1993 में आप भारतीय वायु सेना में भर्ती हुए । उसी दौरान आपने कबड्डी टीम में प्रवेश किया । सन 2000 में आपको भीम अवार्ड से सम्मानित किया गया । सन 2001 में आपको भारतीय वायु, नेवी तथा आर्मी (तीनों सेवाओं) का उत्कृष्ट खिलाड़ी चुना गया । सन 2003 में र आपको खेल के प्रतिष्ठित सम्मान अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया । सन 1998 से सन 2004 तक आप भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान रहे । सन 1998 और सन 2002 के एशियाई खेलों में आपने देश की कबड्डी टीम का प्रतिनिधित्व किया तथा स्वर्ण पदक दिलवाया ।

सम्प्रति आप भारतीय कबड्डी टीम के पर्यवेक्षक एवं भारतीय वायुसेना में मास्टर वारंट आफिसर के पद पर कार्यरत हैं। भिवानी परिवारमैत्री संघ आपको सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

डा. सुशीला आर्य
पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान
(साहित्य)

साहित्य के क्षेत्र में अनेक विभूतियों ने राष्ट्रीय स्तर पर भिवानी जिले को गौरवान्वित किया है । एक ऐसी ही हिंदी और संस्कृत की चर्चित लेखिका और कवयित्री हैं डा. सुशीला आर्य । आपका जन्म 5 जुलाई, 1930 को नरवाना में हुआ । आपने सन 1954 में एम.ए. की उपाधि ली। यह वो दौर था जब लड़कियों को प्राथमिक शिक्षा भी नहीं दी जाती थी। ये अपने आप में एक गौरव की बात थी । तत्पश्चात आपने सन 1973 जयपुर से संस्कृत विषय में पी.एच.डी. पूर्ण की । आपका लिखा साहित्य कई विश्वविद्यालयों में संदर्भ के रूप में इस्तेमाल होता है। चरखीदादरी कालेज में लगातार अध्यापन का कार्य करते हुए सन 1990 में डा. सुशीला आर्य सेवानिवृत्त हुई । आपको हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के द्वारा सम्मानित किया जा चुका है । सुशीला आर्य जी की लिखी बीस से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है । आपको भिवानी जिले की प्रथम महिला लेखिका होने का गौरव प्राप्त हैं तथा आपकी ग्यारह रचनाओं पर एम.फिल एवं एक रचना पर लघुशोध भी किया गया है । समय समय पर दूरदर्शन एवं आकाशवाणी पर विभिन्न परिचर्चाओं में शामिल होती रही हैं । आपको आर्य वीरांगना, अग्रकुल गरिमा इत्यादि अनेकों सम्मानों से नवाजा जा चुका है । अपने माता-पिता की छटी बेटी होने के कारण आपने हाल ही में आपकी "छटी बेटी" के नाम से आत्मकथा प्रकाशित हुई है ।

सम्प्रति आप 85 वर्ष की उम्र में भी पठन-पाठन एवं समाजसेवा के अनेक कार्यों में सक्रिय हैं । आप अपनी पेंशन का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक संस्थाओं को दान के रूप में देती हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

बाली शर्मा :
पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान
(संगीत एवं कला)

प्रसिद्ध रागनी गायक श्री बाली शर्मा आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। आप बचपन में दूसरी-तीसरी कक्षा से ही स्कूल की बालसभा में गाते थे । स्कूल की प्रारम्भिक शिक्षा के दौरान आपके शिक्षकों ने आपको काफी प्रोत्साहित किया और इसी प्रोत्साहन के बाद आप आगे बढते-बढते बन गये रागनी के बादशाह । आपके शिक्षकों में महाबीर, हीरासिंह, करतार सिंह बामला,रघबीर मानेहरु मुख्य रहे । सन 1963 में भिवानी के गांव धारेड़ू में जन्म लेने वाले बाली के पिता खेतीबाड़ी करते थे एवं मां एक गृहिणी थी । स्कूल के गायन से प्रभावित होकर आपको आस-पास के लोग गाना या रागणी सुनने के लिये बुलाने लगे। धीरे-धीरे आप नजदीक के गांवों में भी गायन के लिये बुलाए जाने लगे ।

सन 1991 में पंडित जगन्नाथ जी की प्रेरणा से पालम, दिल्ली में रात भर चले रागणी मुकाबले में आपने प्रथम स्थान प्राप्त किया । आपकी गाई हुई सैंकड़ो रागनियां प्रसिद्ध हुई हैं। सन 1993 से 1996 तक बागपत में अपनी प्रस्तुति से आप श्री अजीतसिंह एवं श्रीमती चौधरी चरण सिंह से सम्मानित हो चुके हैं। सन 1996 में बहादुरगढ में आयोजित कार्यक्रम में बाली जी को हरियाणा केसरी से नवाजा गया । सन 2003 में बनारस में गंगा महोत्सव में तत्कालीन राज्यपाल ने आपको सम्मानित किया । आप देश के विभिन्न राज्यों में अपनी प्रस्तुतियां दे चुके हैं।
सम्प्रति आप लोक कला एवं संस्कृति को जीवंत रखते हुए इसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान दिलाने में सक्रिय हैं ।
भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

मेजर जनरल विजयपाल (सेवाविवृत्त):
पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान
(राष्ट्र सेवा)

जिस समाज और देश ने हमे बहुत कुछ दिया है उसके प्रति भी हमारा कुछ दायित्व बनता है। इस उक्ति को दिल में उकेरा है मेजर जनरल विजयपाल जी ने । आपका जन्म आर्य नगर भिवानी मे एक आर्यसमाजी परिवार में हुआ । प्रारम्भिक शिक्षा गांव में लेने के पश्चात बिरला मांटेशरी स्कूल ,पिलानी से आपने माध्यमिक शिक्षा पूरी की । इसके पश्चात आपने रोहतक से बी.एस.सी. की परीक्षा उत्तीर्ण की । सन 1979 में आपने राजपूताना राइफल्स, भारतीय सेना में कमीशंड आफिसर के रूप में उत्तरदायित्व सम्भाला । आपको सेना में अपनी सेवा के दौरान युद्ध सेवा मैडल, उप-सेनाध्यक्ष के कामेडेशन कार्ड, सेनाध्यक्ष के कामेडेशन कार्ड से नवाजा गया । आपकी शुरु से ही खेल के प्रति रुचि रही है तथा आपने शारीरिक दक्षता के नये आयाम स्थापित किये हैं । आप आज भी गोल्फ खेलना और मैराथन दौड़ना पसंद करते हैं ।
30 जून, 2015 को आप मेजर जनरल के पद से सेवानिवृत्त हुए । आपका समस्त कार्यकाल अपने कार्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठा एवं अनेको उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा है ।
आप आज भी देश सेवा के अनेकों कार्यक्रमों से सक्रिय रूप से जुड़े हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

प्रोफेसर संजीव मित्तल:
राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान
(शिक्षा)

व्यवसाय प्रबंधन की शिक्षा के क्षेत्र में प्रोफेसर संजीव मित्तल का नाम बड़े ही आदर से लिया जाता है
आपको व्यवसाय प्रबंधन के परा-स्नातक छात्रों को पढाने का 34 वर्षों का लम्बा अनुभव है । आप इंस्टीच्यूट आफ मैंनेजमेंट स्टडीज एवं रिसर्च, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ,रोहतक में आठ वर्षों तक लेक्चरर रहे एवं आठ वर्ष प्रबंधन विभाग के विभाग प्रमुख रहे । आप रुक्मणी देवी इंस्टीच्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज, दिल्ली में प्रोफेसर एवं निदेशक भी रह चुके हैं । सन 2002 से 2007 तक आप आई.पी. विश्वविद्यालय,दिल्ली में रीडर के पद को सुशोभित कर चुके हैं। सन 2007 से आप प्रोफेसर एवं अगस्त 2014 से आप डीन आई.पी. विश्वविद्यालय,दिल्ली का दायित्व सम्भाल रहे हैं । राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक प्रख्यात जर्नलस में प्रोफेसर मित्तल के लेख एवं आर्टिकल प्रकाशित हो चुके हैं । मार्केटिंग एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आयात-निर्यात प्रक्रिया आपके पसंदीदा विषय हैं । आप अमेरिका, डेनमार्क, नार्वे इत्यादि अनेकों देशों की यात्राएं कर चुके हैं । आप अनेकों विश्वविद्यालयों से बोर्ड सदस्य के रूप में जुड़े हैं। आपको 2012-13 के विश्वविद्यालय के सर्वोत्तम रिसर्चर का अवार्ड मिल चुका है ।

सम्प्रति आप आई.पी., विश्वविद्यालय दिल्ली में प्रोफेसर एवं डीन का दायित्व निर्वाहन बखूबी से कर रहे हैं।
भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

श्री प्यारेलाल सांगवान
फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान
(सेवा)

छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी के लोगों में सेवा भाव की भावना सहज ही देखी जा सकती है। अपने क्षेत्र के लिये सेवा भाव से समर्पित एक ऐसी ही शख्सियत है प्यारेलाल सांगवान । बचपन से ही समाज सेवा की भावना आप में कूट कूट कर भरी है । ।आपका जन्म 22 अगस्त ,1956 को हुआ । आपने एम.ए., एम.एड. की शिक्षा प्राप्त की । आप 39 वर्ष के सेवा के उपरांत लोहारु से मुख्याध्यापक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं ।
रक्तदान जैसे महायज्ञ में आपने अनेकों आहुतियां दी हैं । आपने स्वयं 98 बार रक्तदान करके समाज और देश के लिये एक नई मिसाल कायम की हैं। सुनने में ये आसान हो सकता है लेकिंन इसके लिये बहुत बड़े आत्मबल की आवश्यकता होती है ।आपने समाज में रक्तदान के लिये एक मुहिम छेड़ी है एवं समाज के अनेक लोगों को रक्तदान के लिये प्रेरित किया है ।आपकी प्रेरणा से अब तक 147 रक्तदान शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है जिसके फलस्वरूप हजारों लोगों को नवजीवन मिला है । सन 1997 में आपको राज्यपाल महावीर प्रसाद जी से सम्मान मिल चुका है । आपको सन 2003 में राज्य शिक्षक अवार्ड से नवाजा जा चुका है । शिक्षा एवं रक्तदान के साथ-साथ पर्यावरण, ग्रामीण स्वच्छता एवं कन्या भ्रूण हत्या रोकने में आपका योगदान सराहनीय है जिसके लिये आपको विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा दो दर्जन से ज्यादा सम्मान से विभूषित किया गया है ।

सम्प्रति आप आज भी रक्तदान शिविरों एवं अनेक सामाजिक कार्यों के आयोजन के लिये सक्रिय हैं ।
भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

मीनाक्षी श्योराण
बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव
(पत्रकारिता)

देश दुनिया की जानकारी प्रदान करने में मीडिया की महती भूमिका है| आज के युग में प्रिंट और इलैक्ट्रोनिक मीडिया ,दोनों ही जन-जन तक पहुंचने के सशक्त माध्यम हैं | पत्रकारिता के क्षेत्र में भिवानी का नाम रोशन किया है गांव मित्ताथल की सुश्री मीनाक्षी श्योराण ने | आपने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से इतिहास में परा-स्नातक एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से जनसंचार में डिग्री हासिल की ।

आजकल टी.वी. न्यूज चैनल का जमाना है । हम सब आपसे टी. वी. न्यूज एंकर के रूप से परिचित हैं । सुश्री श्योराण ने सन 2002 से 2010 तक सहारा न्यूज चैनल के लिये एंकर और सीनियर प्रोड्यूसर के रूप में कार्य किया । सन 2010 में सी.एन.ई.बी. चैनल में बतौर एक्जीटिव प्रोडयूसर का कार्यभार सम्भाला । मीनाक्षी श्योराण को लाइवरिपोर्टिंग में भी महारथ हासिल है । आपने अन्ना आंदोलन का पूरा लाइव कवरेज किया । आपने सन 2014 में फोकस टी.वी. को अपनी सेवायें दी । एक सफल एंकर होने के साथ-साथ आप एक कुशल गृहिणी हैं
।
सम्प्रति आप न्यूज चैनल न्यूजवर्ल्ड इंडिया में बतौर वरिष्ठ न्यूज एंकर कार्यरत हैं ।
भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।

महेंद्र सिंह श्योराण ,IRS
चौधरी बंसीलाल भिवानी गौरव सम्मान
(ग्राम विकास एवं लोक प्रशासन)

खेल, साहित्य ,राजनीति,संगीत,कला के क्षेत्रों के साथ -साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा,पुलिस सेवा , विदेश सेवा जैसे अनेक विभागों में भिवानी की छवि देखी जा सकती है । भारतीय राजस्व सेवा में भिवानी का नाम रोशन करने वाली एक ऐसी ही शख्सियत है आई.आर.एस. अधिकारी श्री महेंद्र सिंह श्योराण जी । आप काकड़ौली गांव से सम्बंध रखते हैं । आप 1981 बैच के आई. आर.एस. अधिकारी है ।आपने अपनी शिक्षा राजकीय कालेज, भिवानी से एम.ए. अंग्रेजी में पूर्ण की । आपने एक्साइज और कस्टम विभाग में अनेक पदों को सुशोभित किया है । तथा प्रशासन के क्षेत्र में एक अमिट छाप छोड़ी है । आपका आज भी अपने गांव और राज्य से गहरा लगाव है ।आपको कार्यक्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिये राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जा चुका है ।

सम्प्रति आप सैंट्रल कस्टम एक्साइज में महानिदेशक (आडिट) का पदभार सम्भाल रहे हैं ।

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको चौधरी बंसीलाल भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुगृहित हुआ ।